मीडिया की नजर से

मंविवि में हरियाली तीज महोत्सव पर सुहाग प्रतीक किए भेंट

तीज महोत्सव पर सुहाग प्रतीक किए भेंट

मंविवि को मिला सर्वश्रेष्ठ उभरते हुए विश्वविद्यालय का सम्मान

मंगलायतन विवि में सेमेस्टर की मुख्य परीक्षाएं प्रारम्भ

...शी में आईईआर टीम ने मारी बाजी

Towing Drag ... IER

400 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान, चेहरे खिले

...दी के अमृत महोत्सव पर किया ग...

...य सेवकों ने घर-घर जाकर किया तिरंगा...

दैनिक जागरण

...शोआराम को किया जा रहा प्रकृति का दोह...

बदल चुका है इक्कीसवीं शताब्दी का भारत : अच्युतानंद

मंगलायतन विश्वविद्यालय में हुआ आठवां दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

एनएसएस स्वयं सेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

Mangal Sampark
मङ्गल सम्पर्क
Quarter Yearly
Edition : July - September 2022
pro@mangalayatan.edu.in
www.mangalayatan.edu.in
MANGALAYATAN UNIVERSITY E -NEWS LETTER BY PR UNIT

8th Convocation At Mangalayatan University

Aligarh, Uttar Pradesh: After the hiatus of two years, the 8th convocation ceremony of Mangalayatan University saw 1125 students from undergraduate, postgraduate, and Ph.D. programmes being awarded degrees and medals at on-campus event. On this event, students awarded gold and silver medal for their splendid performance in academics. The Chief Guest on the occasion was Prof. Achyutyanand Mishra who appreciated students' effort and dedication. He further said that, students are pillars of the nation and they should channelize their energy in proper direction to achieve a great height in career.

Set The Target and Hit the Target

On this 8th convocation, Prof. Achyutyanand Mishra encouraged students to set a higher goal in life and hit it with dedication and determination. He also said that with strong will power, honesty and ethics; students should give significant contribution to uplift and empower underprivilege section of the society.

Use Your Intellect Politely

While addressing students and faculty of the University, Mr. Mishra emphasized on the adoption of employment-oriented programmes and trailblazing technology in the education system. He also said, in the era of globalization and economic liberalization students have immense opportunities therefore they should use their intellect politely to expand the horizon of their career graph and acquire in-depth subject knowledge.

On this occasion, board members Mukesh Goyal, Vikas Tripathi, Ashok Kumar, Examinations Coordinator Dinesh Sharma, Dean of Academic Prof. Ullas Gurudas, Dean of Humanity Faculty Prof. Jayantilal Jain, teaching faculty and head of departments were present at the event.

कैमरे की नजर से

मंविवि को मिला सर्वश्रेष्ठ उभरते हुए विश्वविद्यालय का सम्मान

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित आठवें डायलॉग इंडिया एकेडमिया कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ उभरते हुए विश्वविद्यालय के तौर पर मान्यता देने के साथ सम्मानित किया गया है। मंगलायतन विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार सड़क परिवहन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह द्वारा प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से सम्मान डा. सौरभ कुमार ने ग्रहण किया। विवि पहुंचने पर उन्होंने कुलपति को सम्मान में मिले प्रतीक चिन्ह भेंट किए। इस मौके पर कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सम्मान प्राप्त करना विश्वविद्यालय के लिए हर्ष की बात है। हम विद्यार्थियों को उच्चशिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदान करने के साथ उनके अंदर नैतिक मूल्यों का निर्माण करते हैं। यह हमारे संकायों की कड़ी मेहनत और सर्वोतम प्लेसमेंट के साथ हमारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मान्यता है। कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल सिंह राजपूत आदि ने विश्वविद्यालय को सम्मान मिलने पर प्रशन्नता व्यक्त करते हुए स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं को शिक्षित बनाने के साथ रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है।

पीएचडी के शोधार्थियों के लिए हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम

अलीगढ़! मंगलायतन विश्वविद्यालय में बुधवार को पीएचडी के नए शोधार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम (आरिएंटेशन प्रोग्राम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पीएचडी करने वाले नए विद्यार्थियों का स्वागत व उन्हें विश्वविद्यालय की प्रणाली व शोध कार्य के संबंध में अवगत कराना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ ही अभिभावकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, डीन एकेडमिक उल्लास गुरुदास, प्रो. जयंतीलाल जैन, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, डा. अशोक पुरोहित, डा. मनोज पटेरिया, प्रो. रविकांत ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्ज्वलति कर किया। मां सरस्वती की वंदना भी की गई। कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने नए विद्यार्थियों को मंविवि का हिस्सा बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि समाज उपयोगी, गुणवत्तायुक्त शोध की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के सुपरवाइजर शोध में मार्गदर्शन के साथ आपकी सहायता करेंगे। डीन एकेडमिक उल्लास गुरुदास कहा कि शोध के साथ पब्लिश कराना, रिसर्च आर्टिकल्स पढ़ना और प्रैक्टिकल रिसर्च करना बहुत अनिवार्य है। प्रो. दिनेश शर्मा ने कहा कि जब आप धर्म का पालन करते हुए शोधकार्य करेंगे तो समाज को उसका लाभ अवश्यक मिलेगा। उन्होंने परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रो. जयंतीलाल जैन ने शोधार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्रो. रविकांत ने कहा कि पीएचडी करने के लिए डिवोशन, डिसिप्लिन डेडीकेशन एंड डिजायर की आवश्यकता है। संचालन डा. नियति शर्मा ने किया। इस मौके पर डा. राजीव शर्मा, डा. अनुराग शाक्य, डा. सिद्धार्थ जैन, डा. दीप शिखा सक्सेना, डा. संतोष गौतम, डा. पूनम रानी, डा. आरके शर्मा, डा. राजेश उपाध्याय, डा. योगेश गुप्ता, डा. हैदरअली, मोहन माहेश्वरी, तरुण शर्मा आदि थे।

स्वतंत्रता आंदोलन व सेनानियों की पुस्तकों की लगाई प्रदर्शनी

अलीगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मंगलायतन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया गया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों व स्वतंत्रता आंदोलनों से संबंधित पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई। पुस्तकालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. जयंतीलाल जैन ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में 500 से अधिक पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया था। संकाय सदस्यों व छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम को खूब सराहा गया। विवि के छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया और सकारात्मक टिप्पणियां दीं। लाइब्रेरियन डा. अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस प्रो. एसआर रंगनाथन की याद में 12 अगस्त को मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव सरकार की एक पहल है, जिसमें देश के गौरवशाली इतिहास की जानकारी हो रही है।

हमारे देश की परंपरा बलिदान की रही है : दिनेश चंद्र शर्मा

मंगलायतन विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया 76वां स्वतंत्रता दिवस

अलीगढ़! भारत संघर्ष करते हुए अपनी संस्कृति, जीवन मूल्यों को बचाने में बलिदान करता रहा है। हमारा इतिहास कभी गुलामी का नहीं रहा, हमारे देश की परंपरा बलिदान की रही है। आज के नौजबानों को देश के लिए बलिदान होने वाले महापुरुषों से प्रेरणा लेनी चाहिए। क्योंकि आजादी मिलना सरल है उसे बनाए रखना कठिन है। उक्त उद्गार मंगलायतन विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेशचंद्र शर्मा ने कहे। इससे पहले मुख्य अतिथि ने विशिष्ठ अतिथि एमएलसी ऋषिपाल सिंह, चेयरमैन हेमन्त गोयल, कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह आदि के साथ ध्वजारोहण किया।

विशिष्ठ अतिथि एमएलसी ऋषिपाल सिंह ने कहा कि हम श्रेष्ठ है हमारी संस्कृति श्रेष्ठ है। हम दुनिया में सबसे बड़ी ताकत बनने जा रहे हैं। आज प्रत्येक युवा में राष्ट्रभक्ति उभर रही है यह गौरव की बात है। उन्होंने मंगलायतन विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा नाम बताया। कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने कहा कि ये गर्व की बात है हम स्वतंत्रता को 75 वर्ष तक कायम रख सके। इसे हम संघर्ष और बलिदानों के रास्ते से आगे भी कायम रख सकते हैं। सत्य, अहिंसा को सभी लोग अपने जीवन में अपनाए तभी सही मायने में स्वतंत्रता दिवस सफल है। चेयरमैन हेमन्त गोयल ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

वही, विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट सेवा देने वाले प्राध्यापकों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्र–छात्राओं ने गीत, नृत्य, कविता, भाषण आदि कार्यक्रमों के माध्यम से देशवासियों को राष्ट्रप्रेम, एकता, भाईचारा, शांति–सद्भाव का संदेश दिया। इस अवसर पर ज्वाइंट रजिस्ट्रार डा. दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल सिंह राजपूत, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अरुण फौजी, प्रो. जयंतीलाल जैन, प्रो. उल्लास गुरुदास, प्रो. सिद्धार्थ जैन, डा. अंकुर अग्रवाल, डा. संतोष गौतम, डा. हैदरअली, डा. विकाश शर्मा, तरुन शर्मा, जितेंद्र शर्मा, मयंक प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कौषिकी व वीर प्रताप ने सुयक्त रुप से किया।

विद्यार्थियों की कलम से

दीपशिखा शर्मा
बी.ए. जेएमसी
(प्रथम वर्ष)

एक नई उमंग

क्यों बैठे हो उदास तुम,
एक नया सवेरा आयेगा।
धरती फिर मुस्कुराएगी,
दोस्तों की खिलखिलाहट,
वादियों में गुनगुनाएगी।।

काली घटा कब तक,
सूर्य का ताप रोक पाएगी।
आत्मविश्वास से भरी दुनिया,
एक नया सवेरा लाएगी।

सब कुछ होगा तेरे पास,
तू फिर से मुस्कुराएगा।
बस थोड़ी सी हिम्मत कर,
कठिन समय में मेहनत कर।
आएगा आएगा फिर,
एक नया सवेरा आएगा।।

कब तक चट्टान नदी की,
धारा रोक पाएगी।
कभी तो नीरस पड़ी,
धरती फिर मुस्कुराएगी।
तू निरंतर प्रयास कर,
फिर एक नया सवेरा आएगा।।

हमने चांद पर घर है बनाया,
हमने विघ्नों को गले है लगाया।
बस तू अपने लक्ष्यों को पाने की आस कर,
उठ, जाग और निरंतर प्रयास कर।
आएगा आएगा फिर
एक नया सवेरा आएगा।।

अब्दुल कलाम
बी.ए. जेएमसी
(प्रथम वर्ष)

सपनों की उड़ान

तू कुछ कर अलग, तू कुछ बन अलग,
तभी तो नाम कमाएगा
सपनों का है यह ऊंचा आसमान।
तू कुछ सोच इस दुनिया से अलग
भरनी है तुझको लंबी उड़ान।।

तभी तू ऊंचा बन पाएगा
माना राहों में आएंगी मुश्किलें हजार
तू संघर्ष कर तू आगे बढ़।।

तभी तो सपना साकार कर पाएगा
तू कुछ कर अलग, तू कुछ बन अलग
तभी तो नाम कमाएगा
पंख होंगे तेरे भी मजबूत।
जब तू सपनों में साहस भर पाएगा।।

तू गिर, तू हजार बार गिर,
फिर से उठकर खड़ा हो।
तभी तो सपनों में उड़ान भर पाएगा।।

तू संघर्ष कर, तू आगे बढ़।
तभी तो नाम कमाएगा।।

तू कुछ कर अलग, तू कुछ बन अलग,
तभी तो नाम कमाएगा,
जीवन में सफलता मिलेगी तुझे भी।

दीपक सिंह
बी.ए. जेएमसी
(द्वितीय वर्ष)

आध्यात्म

छोड़कर यह दुनियादारी
करले बंदे ध्यान प्रभु का।
एकांत जगह में बैठकर
थोड़ा भज ले नाम हरि का।।

भक्ति भाव लाओ अंतर्मन में
करो थोड़ी आध्यात्म ध्यान।
ना जाने किस रूप में
दर्शन देते हैं भगवान।।

कभी रामायण कभी गीता
कभी भजन कभी कीर्तन।
सत्संग भी किया करो
मिला है तुझको मानव जीवन।।

मन भी तेरा स्वस्थ रहेगा
तन् भी रहे निरोग।
कलयुग में है नाम आधार
प्रभु से नाता जोड़।।

माया मोह के बंधन से प्राणी
थोड़ा जीवन संभालो अपना।
फिर पीछे पछतायेगा
फिर ना मिलेगा मौका अच्छा।

दीपक चौधरी
बी.ए. जेएमसी
(द्वितीय वर्ष)

माँ

जब भी होता हूँ अकेला
आपको ही सोचता हूँ
माँ !!

जब ना दिखो मुझे तो
उस पल खोजता हूँ
माँ !!

करके सफर यादों में
हर रोज अकेला ही लौटता हूँ
माँ !!

कभी दो आवाज उन यादों से,
बस मैं खुद अकेला ही बोलता हूँ
माँ !!

युवा पीढ़ी देशस्य स्वर्णभविष्य अस्ति

यौवनेशु बहवः प्रतिभाः भवन्ति,
येषां परिचयंत्वा ते सम्यक् मार्गे गन्तव्यं।
यौवनम् असफलताभिः निरुत्साहिताः च न भवेयुः।
भवतः युवानां पीढ़ी अस्माकं देशस्य
स्वर्णभविष्यः भविष्यति।
तेभ्यः सम्यक् प्रोत्साहनेन तेषां जीवनं देशस्य प्रगतिः च ऊर्ध्वताप्रति नेतव्यं अस्ति।

दीपिका यादव
बी.ए. जेएमसी (प्रथम वर्ष)

Editorial Board

Patron
Prof. K.V.S.M. Krishna
Vice Chancellor
Chief Editor
Dr. Santosh Gautam
Special Guidence
Prof. Venkata VPRP
Dr. Dinesh Sharma

Editor
Ms. Manisha Upadhaya
Sub. Editor/Designer
Mr. Yogesh Kaushik
Associate Editor
Mr. Mayank Jain

Reports
Mr. Deepak Chaudhary
Ms. Celesti Pandit
Ms. Juhi Chauhan
Mr. Aman Kumar